भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या 369

उत्तर देने की तारीख 29 मार्च, 2022
8 चैत्र, 1944 (शक)

खेलो इंडिया योजना का कार्यान्वयन

369. श्री रमेश चन्द्र कौशिक:
श्री ज्योतिर्मय सिंह महतो:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में "खेलों इंडिया" योजना के लिए तैयार कार्यान्वित की गई रूपरेखा/रोडमैप का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) पश्चिम बंगाल तथा तमिलनाडु सहित देश में विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में गत पाँच वर्षों एवं वर्तमान वर्ष के दौरान आज तक संस्वीकृत एवं व्यय की गई धनराशि का राज्य/जिला-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) उक्त अवधि के दौरान तमिलनाडु सहित देश में खेलों को बढ़ावा देने तथा क्षेत्रीय खेल अकादमियों के विकास हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(श्री अनुराग सिंह ठाकुर)

(क) से (ग) : एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

****

खेलो इंडिया योजना का कार्यान्वयन, के संबंध में श्री रमेश चन्द्र कौशिक और श्री ज्योतिर्मय सिंह महतो, माननीय संसद सदस्यों, लोक सभा द्वारा दिनांक 29.03.2022 के लिए पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 369 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में संदर्भित विवरण ।

(क) खेलों में व्यापक जनसहभागिता और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के युग्मित उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सरकार ने वर्ष 2016-17 में "खेलो इंडिया - राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम" स्कीम शुरू की । सरकार ने 15वें वित्त आयोग की अवधि (2021-22 से 2025-26) के दौरान 3165.50 करोड़ रु. के परिव्यय से खेलो इंडिया स्कीम को जारी रखने का निर्णय लिया है । यह युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की मुख्य केंद्रीय सेक्टर की स्कीम है जिसका उद्देश्य देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और खेल उत्कृष्टता प्राप्त करना है और इस प्रकार इसके व्यापक प्रभाव के माध्यम से लोगों को खेलों की शक्ति का इष्टतम उपयोग करने में समर्थ बनाना है । खेलो इंडिया कार्यक्रम में खेल मैदान विकास; सामुदायिक कोचिंग विकास; सामुदायिक खेलों को बढ़ावा देना; ग्रामीण/ स्वदेशी खेलों सहित खेलों के लिए विद्यालय और विश्वविद्यालय स्तर पर एक मजबूत खेल अवसंरचना तंत्र की स्थापना; दिव्यांगजनों के लिए खेल तथा महिलाओं के लिए खेल; खेल अवसंरचना में महत्वपूर्ण कमियों को दूर करना तथा चयनित विश्वविद्यालयों में खेल उत्कृष्टता केंद्रों का निर्माण; प्रतिभा पहचान और विकास; खेल अकादमियों को सहायता; स्कूली बच्चों के लिए राष्ट्रीय शारीरिक फिटनेस अभियान का कार्यान्वयन और शांति और विकास के लिए खेल शामिल हैं । खेलो इंडिया स्कीम के उद्देश्यों की घटक-वार रूपरेखा अनुबंध में दी गई है ।

(ख) इस मंत्रालय में निधियां स्कीम-वार आवंटित और जारी की जाती हैं, न कि राज्य-वार । खेलो इंडिया स्कीम के तहत पिछले पांच वर्षों और चालू वर्ष के दौरान आवंटित और जारी की गई निधियों का ब्यौरा नीचे दिया गया है :-

(करोड़ रु.)

वर्ष	**आवंटित निधियां**	**जारी की गई निधियां (28.02.2022 की स्थिति के अनुसार)**
2016-17	118.10	118.10
2017-18	350.00	346.99
2018-19	375.09	342.24
2019-20	578.00	575.52
2020-21	338.93	338.93
2021-22	869.00	418.23

(ग) खेलो इंडिया स्कीम के "राष्ट्रीय/ क्षेत्रीय/ राज्य खेल अकादमियों को सहायता" घटक के तहत इस मंत्रालय ने तमिलनाडु में 16 खेल अकादमियों सहित देशभर में अभी तक 247 खेल अकादमियों को मान्यता दी है ।

खेलो इंडिया योजना का कार्यान्वयन, के संबंध में श्री रमेश चन्द्र कौशिक और श्री ज्योतिर्मय सिंह महतो, माननीय संसद सदस्यों, लोक सभा द्वारा दिनांक 29.03.2022 के लिए पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 369 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध ।

<u>खेलो इंडिया स्कीम के उद्देश्य</u>

क्र.सं.	घटक	उद्देश्य
1	खेल अवसंरचना का निर्माण और उन्नयन	• देशभर में खेल अवसंरचना और सुविधाओं की उपलब्धता में कमी को दूर करना, इस प्रकार खेल विकास के लिए एकरूप रूपरेखा प्रदान करना । • खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और खेल कार्यकलापों में भाग लेने के लिए लोगों को अवसर प्रदान करने के लिए खेल मैदानों का विकास । • स्थानीय लोगों को शारीरिक कार्यकलाप करने और फिट रहने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु ओपन जिम की स्थापना करना । • खेल अवसंरचना की उपलब्धता बढ़ाने के लिए देशभर में खेल अवसंरचना का निर्माण । • खेल प्रतियोगिताओं, मैराथन आदि जैसे खेल कार्यकलापों में भाग लेने वाले व्यक्तियों की संख्या में वृद्धि ।
2	खेल प्रतियोगिताएं और प्रतिभा विकास	• खेल कार्यकलापों में देश के युवाओं में व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करना, इस प्रकार खेल में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए संभावित प्रतिभाओं के लिए मार्ग प्रशस्त करना । • संभावित खेल प्रतिभा की एक बड़ी बेंच स्ट्रेंथ बनाने के लिए प्रतिभाओं को दीर्घकालिक सहायता । • अन्य पीईटी/विषय शिक्षकों को कोचों के रूप में प्रशिक्षित करने के लिए स्कीम के तहत प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर । • विकास के निम्नतम स्तर पर नवोदित खिलाड़ियों के बेहतर प्रशिक्षण के लिए इच्छुक व्यक्तियों में से कोचों के विकास में सहायता के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम सामग्री, जो विकासात्मक स्तर पर विभिन्न खेल विधाओं में बेंच स्ट्रेंथ में वृद्धि में परिलक्षित हो ।

क्र.सं.	घटक	उद्देश्य
		• अभिज्ञात खेल प्रतिभाओं की संख्या में वृद्धि । • प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों द्वारा प्राप्त उत्कृष्टता के स्तर में वृद्धि । • प्राथमिकता वाली खेल विधाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों की बेंच स्ट्रेंथ संख्या में वृद्धि । • प्रमाणित होने वाले कोचों की संख्या में वृद्धि ।
3	खेलो इंडिया केंद्र और खेल अकादमियां	• राज्य स्तरीय खेलो इंडिया केंद्र भारत सरकार की एक विस्तार शाखा के रूप में कार्य करेंगे, इस प्रकार स्कीम की प्रत्यक्ष पहुंच में वृद्धि होगी और खेलों को विस्तृत आधार प्रदान करने में मदद मिलेगी । • मंत्रालय की मौजूदा अकादमियों के साथ-साथ अन्य मंत्रालयों/राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को सहायता से नियंत्रित वातावरण में दीर्घकालिक एथलीट विकास के लिए मार्ग प्रशस्त करना । • देश के नए क्षेत्रों में बेहतर प्रशिक्षण सुविधाओं की उपलब्धता । • मौजूदा केंद्रों पर कम दबाव । • विकसित किए जा रहे उत्कृष्ट एथलीटों की संख्या में वृद्धि और उत्कृष्ट स्तर पर बेंच स्ट्रेंथ में वृद्धि ।
4	फिट इंडिया मूवमेंट	• नागरिकों के फिटनेस स्तर का एक राष्ट्रीय डेटाबेस बनाना, इस प्रकार स्वस्थ जीवन-शैली में योगदान करने में खेलों के लाभकारी प्रभाव को सहायता करने के लिए अनुभवजन्य साक्ष्य प्रदान करना । • बच्चों के साथ-साथ माता-पिता के बीच फिटनेस के स्तर के बारे में जागरूकता बढ़ाना, इस प्रकार उन्हें शारीरिक फिटनेस बढ़ाने के लिए कार्यकलापों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना । • जीवन-शैली से जुड़ी बीमारियों, खासकर मोटापे और किशोर मधुमेह से पीड़ित लोगों की संख्या में उल्लेखनीय कमी ।
5	खेल के माध्यम से समावेशिता को बढ़ावा	• युवाओं को विघटनकारी कार्यकलापों से दूर करना और देश के विकास में अपनी शक्ति का उपयोग करने में

क्र.सं.	घटक	उद्देश्य
	देना	समर्थ बनाना । • हमारे पारंपरिक खेलों की विरासत को जारी रखने के लिए और बच्चों और युवाओं को मुख्य रूप से खेलों में शामिल करने का मार्ग प्रशस्त करते हुए, उन्हें प्रमुख रूप से अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना । • दिव्यांगजनों के लिए खेलों को अधिक सुलभ बनाना और खेल कार्यकलापों में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करना । • विशेष रूप से महिलाओं के लिए खेलों में भागीदारी के लिए अवसर सृजित करना इस प्रकार खेलों को जीवन-शैली के रूप में अपनाने वालों की संख्या में वृद्धि करना । • अशांत क्षेत्रों के अधिक से अधिक बच्चों और युवाओं द्वारा खेल को जीवन-शैली के रूप में अपनाना, इस प्रकार इससे युवा विघटनकारी कार्यकलापों में संलिप्त होने की युवाओं की संख्या में कमी आएगी । • पारंपरिक और देशज खेलों को खेलने वाले व्यक्तियों की संख्या में वृद्धि । • खेलों में प्रतिभागी दिव्यांगजनों की संख्या में वृद्धि जिससे देशभर में ऐसे व्यक्तियों द्वारा खेल अवसंरचना उपलब्ध न होने संबंधी शिकायतों में कमी आई है । • उत्कृष्टता प्राप्त करने वाली महिला खिलाड़ियों की संख्या में वृद्धि ।

****